इस साल अब तक 28 स्टार्टअप बने यूनिकॉर्न

रिपोर्ट

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान ब्यूरो

देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। वेंचर इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में अब तक 28 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन गए हैं। इसके साथ ही देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 65 पहुंच गई है।

इस साल अब तक जो स्टार्टअप यूनिकॉर्न बने हैं उनमें गेमिंग प्लेटफॉर्म मोबाइल प्रीमियर लीग, ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म ग्रोफर्स, क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स और फिनटेक प्लेटफॉर्म भारतपे शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2011 से लेकर 2014 तक प्रति वर्ष केवल स्टार्टअप यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल कर पा रहे थे। वहीं, 2015 में यह आंकड़ा बढ़कर चार, 2018 में आठ, 2019 में नौ, 2020 में 10 था लेकिन इस साल जबरदस्त उछाल आया है।

यूनिकॉर्न स्टार्टअप क्या होते हैं?

यूनिकॉर्न ऐसी स्टार्टअप कंपनियों को कहा जाता है जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर (7,200 करोड़) या उससे अधिक होता है।

साल के आधार पर यूनिकॉर्न बनने की संख्या

साल	यूनिकॉर्न
2011	01
2012	01
2013	01
2014	01
2015	04
2016	02
2017	00
2018	08
2019	09
2020	10

2021 में किस देश में कितने यूनिकॉर्न बने

देश	बने यूनिकॉर्न की संख्या
अमेरिका	188
ब्रिटेन	09
चीन	28
ब्राजील	03
भारत	28
इंडोनेशिया	01

स्रोत: वेंचर इंटेलिजेंस

दिल्ली-नोएडा के भी स्टार्टअप बने यूनिकॉर्न

इस साल बेंगलुरु से अब तक नौ स्टार्टअप को यूनिकॉर्न का दर्जा मिला है। वहीं, इसके बाद मुंबई का स्थान आता है जहां से नौ स्टार्टअप यूनिकॉर्न बने हैं। इसके बाद गुरुग्राम से तीन, दिल्ली-नोएडा से दो-दो और पुणे से दो और थाणे से एक स्टार्टअप को यूनिकॉर्न का दर्जा प्राप्त हुआ है।

इंटरनेट सॉफ्टवेयर से सबसे आगे

अमेरिका में इंटरनेट सॉफ्टवेयर और सेवाओं के क्षेत्र ने सबसे अधिक संख्या में 50 यूनिकॉर्न बने हैं। इसके बाद फिनटेक 49 यूनिकॉर्न के साथ दूसरे नंबर पर है। इसके बाद 21 यूनिकॉर्न के साथ हेल्थ सेगमेंट और 15 यूनिकॉर्न के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर आता है।